Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, website: www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करें, प्लेटफार्म पर नहीं

R.N.I No. 51097/90 DN/XXX/18-20 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

वर्ष २८ अंक १२ इलाहाबाद रेल समाचार ब्यूरो १६-३० जून २०१८ पृष्ठ ८ मूल्यः १०+०५ रु.मात्र

ट्रेनों की लेटलतीफी से रेलमंत्री परेशान, कहा अगस्त से 90 फीसदी ट्रेनें पहुचेंगी समय पर

नई दिल्ली। रेलमंत्री गोयल ने शनिवार दिनांक १६.०६.२०१८ को चार जोनों के महाप्रबंधकों के साथ एक बैठक में कहा कि समयपालन सुनिश्चित करने के लिए फिलहाल कोई नई ट्रेनें नही चलाई जायेंगी, ट्रेनों की लेटलतीफी से परेशान रेलमंत्री पीयूष गोयल इन दिनों सभी क्षेत्रीय रेलों के महाप्रबंधकों के साथ लेटलतीफी से जुड़े समस्या के सुधार के लिए जड़ तक जाने का प्रयास कर रहें हैं। इस बैठक में सभी मंडलों को ज्यादा अधिकार देने का भी निर्णय लिया गया, ताकी उन्हें हर कार्य के लिए जोनल महाप्रबंधकों के कार्यालय का चक्कर नही लगाना पड़े।

जिसके लिए पिछले दिनों पत्र भी जारी कर दिया गया था। शनिवार को विशेष तौर पर चार जोन उत्तर मध्य रेलवे,उत्तर रेलवे,उत्तर पूर्व रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे को इस पत्र को तत्काल अमल में लाने को कहा, साथ ही साथ इस बैठक में रेलमंत्री ने सभी मंडल रेल प्रबंधकों को वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम से ट्रेनों की चाल सुधारने को कहा,ताकि दुखी रेल यात्रियों को जल्द ही इस समस्या से निज़ात मिल सके, सुधार के मद्देनजर खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को रेलमंत्री ने घर जाने की भी सलाह दी।

हमारा लक्ष्य संरक्षा सुरक्षा एवं समयपालन

रेल मंत्रालय की पहल रेलवे के संपर्क में आने वाले बच्चों की सुरक्षा और देखभाल हेतु जागरूकता अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष अश्वनी लोहानी ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की अध्यक्ष स्तुति कक्कर के साथ जागरूकता फैलाने के प्रयास के तहत रेलवे के संपर्क में आने वाले यात्रियों के रूप में बच्चे, बर्बाद बच्चे, तस्करी कर लाए गए बच्चे, अपने परिवार से जुदा हुए बच्चों के संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया। इस अवसर पर धर्मेन्द्र कुमार, आईपीएस, डीजी आरपीएफ, विश्वेश चौबे, जीएम/उत्तर रेलवे, आर एन सिंह, डीआरएम/दिल्ली प्रभाग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष अश्वनी लोहानी ने कहा, "यह अभियान पूरे रेलवे प्रणाली में बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे को हल करने और सभी हित धारकों, यात्रियों, विक्रेताओं, कुलियों को संवेदनशील बनाने के लिए शुरू किया गया है। वर्तमान में, रेलवे के संपर्क में बच्चों की देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए रेलवे की यह मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) ८८ स्टेशनों पर सफलतापूर्वक लागू की गई है। आने वाले समय में हम इसे बढ़ाकर १७४ स्टेशनों पर लागू करने वाले हैं।" राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की अध्यक्ष स्तुति कक्कर ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि एनसीपीसीआर रेलवे मंत्रालय के इस तरह के प्रयास के लिए तहे दिल से आभारी है।उन्होंने कहा कि अन्य हितधारकों जैसे कुलियों/पोर्टरों, स्टेशनों पर विक्रेताओं आदि का सहयोग भी बच्चों की सुरक्षा में बेहद उपयोगी है। उन्होंने बच्चों को तस्करी और बर्बाद होने से बचाने के लिए तेजी से कार्रवाई करने में आरपीएफ के प्रयासों की भी सराहना की। इस कार्यक्रम में बच्चों के संरक्षण के मुद्दे पर विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के बच्चों द्वारा नाट्य भी प्रस्तुत किया गया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष लोहानी ने स्तुति कक्कर, धर्मेन्द्र कुमार, विश्वेश चौबे का साथ रेलवे के संपर्क में आने वाले बच्चों की सुरक्षा और देखभाल हेतु जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पोस्टर भी जारी किया। इस कार्यक्रम का समापन आर एन सिंह, डीआरएम/दिल्ली प्रभाग के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हावड़ा-नई दिल्ली- हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस का अतिरिक्त ठहराव

नई दिल्ली। रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने १२३०१/१२३०२ हावड़ा-नई दिल्ली- हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस को आसनसोल स्टेशन पर दिनांक १७.०६.२०१८ से छः महीने के लिए अतिरिक्त ठहराव निम्नानुसार प्रदान किया है:-

रेलगाड़ी संख्या १२३०१ हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस आसनसोल स्टेशन पर सायं ०७.०१ बजे पहुँचेगी। जबकि १२३०२ नई दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस रेलगाड़ी आसनसोल स्टेशन पर प्रातः ०७.२८बजे पहुँचेगी। इस रेलगाड़ी का ठहराव दिनांक १७.०६.२०१८ से प्रयोगात्मक रूप से छः महीने के लिए दोनों दिशाओं में २-२ मिनट के लिए होगा।

अगले अंक में विशेष

भारतीय रेलवे की ०४ वर्ष की उपलब्धियां और पहल

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अब रेलवे डिस्पोजेबल प्लेट में परोसेगा भोजन

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस २०१८ के अवसर पर रेल मंत्रालय के पीएसयू आईआर-सीटीसी ने नई दिल्ली से संचालित होने वाली ८ चुनिंदा शताब्दी और राजधानी ट्रेनों में पर्यावरण के अनुकूल खोई आधारित डिब्बाबंद भोजन की शुरूआत की है।

रेलवे के हरित कार्यक्रम के तहत इन ट्रेनों में यात्रियों को रेलवे द्वारा प्रदान किया जाने वाला भोजन अब पालिमर के बजाय पर्यावरण के अनुकूल डिस्पोजेबल प्लेट (कंपोस्टेबल कंटेनर) में परोसा जाएगा।

इस नई पहल के साथ आईआरसीटीसी ने स्वच्छ और हरित भारत के प्रति अपनी वचनबद्धता की पुष्टि की है और इसे हासिल करने के लिए इस दिशा में एक छोटा सा कदम उठाया है।

गन्ने का रस निकालने के बाद जो रेशेदार अवशेष रह जाता है उसका उपयोग डिस्पोजेबल कटलरी और कंटेनर बनाने के लिए किया जा रहा है, जिसमें भोजन परोसा जाएगा। प्रयुक्त पैकेजिंग को एकत्र करने का प्रावधान किया जाएगा जिसका बाद में पर्यावरण स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कंपोस्टिंग के माध्यम से निपटान किया जाएगा।

शुरुआती चरण के बाद, गैर-जैव-अपरिवर्तनीय सामग्री के व्यवहारिक विकल्प के रूप में खोई आधारित डिब्बाबंद भोजन का प्रयोग आने वाले महीनों में आईआरसीटीसी द्वारा संचालित होने वाली सभी राजधानी, शताब्दी और दुरंतों रेलागाड़ियों में किया जाएगा।

हिन्दी भाषा रेल की भाषा
हिन्दी भाषा देश की भाषा

पर्यावरण संरक्षण के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का अभिनव प्रयास

बिलासपुर। भारतीय रेलवे में रोजाना चलने वाली गाड़ियों में लाखो यात्री प्रतिदिन यात्रा करते है। यात्रियों के द्वारा सफर के दौरान उपयोग की गई प्लास्टिक की पानी की बोतलों को रिसायकिल कर पुनः उपयोग करने हेतु रेलवे लगातार प्रयासरत है। पर्यावरण को सर्वाधिक क्षति पहुंचाने का कार्य प्लास्टिक करती है। प्लास्टिक नान बायोडिग्रेडिबल तत्व होते है, जिसके कारण प्लास्टिक वेस्ट को खत्म होने में सालो लग जाते है।

प्लास्टिक कचरा धरती के अंदर और बाहर दोनों जगह पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाती है। प्लास्टिक कचरे से होने वाले नुकसान से बचने के लिए आज हमारे देश मे प्लास्टिक थैलियों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाए गए है तथा दुकानों आदि में इनकी जगह अन्य दूसरी थैलियों के प्रयोग किए जा रहे है।

भारतीय रेलवे भी प्लास्टिक कचरे से अछूता नहीं है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर स्थित कोचिंग डिपो में एक प्लास्टिक बाटल क्रशर प्लांट लगाया गया है। इस प्लांट में खाली प्लास्टिक की बोतलों को स्टेशनो एवं गाड़ियों से इकट्ठा कर क्रश किया जाता है तथा क्रश होने के पश्चात बनने वाले प्लास्टिक चिप्स को रिसायकलिंग करने हेतु स्टोर विभाग के द्वारा नीलामी कर बेचा जाता है। व्यवसायियों के द्वारा इन चिप्स को खरीद कर पुनः प्लास्टिक के अन्य उत्पाद बनाने में उपयोग किया जाता है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर स्थित कोचिंग डिपो से बाटलों को क्रश कर बनाई गई लगभग १०४६ किलोग्राम प्लास्टिक चिप्स को नीलामी हेतु सामान्य भंडार डिपो (जीएसडी) भेजा गया है।

हमारा लक्ष्य संरक्षा सुरक्षा एवं समयपालन

स्वच्छता के प्रति स्काउट एंड गाइड के बच्चों द्वारा यात्रियों को किया जागरूक

इलाहाबाद। मंडल में स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत अभियान के तहत दिनांक २५.०५.२०१८ से २४.०६.२०१८ तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत स्टेशन, प्लेटफार्म, वाटर बूथ, टायलेट, एफ ओ बी, सीढियों, यात्री विश्रामालय, दीवारों पर दाग धब्बा, अनावश्यक लगाए गए पोस्टर तथा सेर्कुलेटिंग एरिया को साफ कर स्टेशनों को स्वच्छ बनाया जा रहा है तथा यात्रियों को जागरूक भी किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक ०१.०६.२०१८ को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,नवीन दीक्षित के निर्देशन में स्काउट एंड गाइड के बच्चों ने यात्री विश्रामालय में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया साथ ही साथ प्लेटफार्म ०१ व ०४/०६ पर रैली के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया कि ट्रैक पर कूड़ा न डालें और न ही इधर उधर कूड़ा फेकें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें, इधर उधर ना थूके, थूक दान का प्रयोग करें तथा स्वच्छता को बनाये रखने हेतु शौचालय का उपयोग करें, स्टेशन पर खड़ी ट्रेन में शौचालय का उपयोग ना करें, बायो टायलेट में बोतल आदि ना डालें, पानी की खाली बोतल इधर उधर न फेकें डस्टबिन में ही डालें यात्रियों से अनुरोध है कि रेल परिसर को स्वच्छ बनाये रखने में रेलवे का सहयोग कर। रेलवे परिसर एवं रेलगाड़ी में गंदगी फैलाने पर रु ५००/तक का जुर्माना हो सकता है। यात्रियों से साफ सफाई के संबंध में फीडबैक/सुझाव लिए जा रहे हैं तथा उचित कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है।

अधिकारियों द्वारा निरीक्षकों एवं सफाई कर्मियों से संवाद भी किया जा रहा है तथा उनकी समस्याएं भी सुनी जा रही है और निराकरण भी किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य वाणिज्य निरीक्षक श्रीमती मेरी मिलन, ज्ञानेश्वर पटेल, सी आई टी स्टेशन डोरीलाल शर्मा, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक आर के राय एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

लापरवाह अधिकारी होंगे अब बर्खास्त

इलाहाबाद। शहर की बिगड़ी सूरत देख नगर विकास मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि लापरवाह अधिकारी अब चेतावनी, निलंबित नहीं सीधे बर्खास्त होंगे।

साथ ही साथ उन्होंने निर्देश दिए कि सीवर और खोदाई का कार्य ३० जून तक पूरा करें।

नगर विकास मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि लापरवाह ठेकेदार जो समय से कार्य नहीं कर रहें हैं उन्हें ब्लैकलिस्ट करें, एवं आई.जी को निर्देश दिए कि रात्रि में हो रहे कार्यों के लिए समुचित पुलिस बल मुहैया करा जाये।

इलाहाबाद मंडल में चला सघन टिकट चेकिंग अभियान

इलाहाबाद। मंडल रेल प्रबंधक, इलाहाबाद अमिताभ के निर्देशन में एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक नवीन दीक्षित के कुशल नेतृत्व में माह मई २०१८ में बिना टिकट, अनियमित यात्रा, बिना बुक सामान एवं गन्दगी फैलाने वालो के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमे १,५२,६३६ यात्रियों को पकड़ा गया और रु. ८.२१/- करोड़ का जुर्माना वसूला गया। इलाहाबाद मंडल में वर्ष २०१८-१६ के दौरान टिकट चेकिंग से रु. ७६.२६ करोड़ आय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके अंतर्गत माह मई में टिकट चेकिंग से रु. ७.०१ करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जबकि टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा लक्ष्य को पीछे छोड़ते हुए रु. ८.२१ करोड़ की रिकार्ड आय की गयी है, जो की लक्ष्य से १७.१२% अधिक है। वित्तीय वर्ष २०१७-१८ के दौरान माह अप्रैल से मई तक टिकट चेकिंग से कुल रु.१२.६८ करोड़ की आय अर्जित की गयी थी, जबकि वित्तीय वर्ष २०१८-१६ के दौरान अप्रैल से मई तक टिकट चेकिंग से रु. १३.८७ करोड़ की रिकार्ड आय अर्जित की गयी है, जो की ६.३६ अधिक है। दिनांक ३० मई २०१८ को दाउद खां स्टेशन पर बस रेड (मजिस्ट्रेट चेकिंग) के दौरान कुल १२२ बिना टिकट यात्रियों को जेल भेजा गया।

Director General (S&T),Railway Board holds review meeting with S&T Officials

Secunderabad: Akhil Agarwal, Director General S&T (Signal & Telecommunications), Railway Board, New Delhi held a detailed review meeting with S&T Officials of South Central Railway on 16thJune, 2018 at SCR Headquarters, Rail Nilayam, and Secunderabad. Addressing the meeting, Shri Agarwal called upon Officials to take stringent measures towards strengthening Signal & Telecommunications systems. He stressed upon improving asset reliability factor for maintaining punctuality of the trains. He also focused on meeting the targeted schedules for Signalling works all over and advised that funds shall be utilized on time to ensure completion without delay. Stressing on the need to analyze causes for Signaling failure, Shri Akhil Agrawal dwelt on the various reasons that go into it and sought that every effort be made to negate the same. Shri L.P.Sinha, Director, Indian Railway Institute of Signal Engineering & Telecommunications (IRISET) Shri V.M.Shrivastava, Principal Chief Signal & Telecommunications Engineer and Senior Officials were also present.

All power is within you
You can do anything
and everything
(Swami Vivekananda)

उत्तर रेलवे ने चलाया टिकट जाँच अभियान

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने दिनांक १८.०५.२०१८ से एक माह तक चलने वाले गहन टिकट जाँच अभियान की शुरूआत की है । इस अभियान का उद्देश्य ऐसे सेक्शनों और रेलगाड़ियों में अनारक्षित श्रेणियों में बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना जहां यात्री यातायात और टिकटों की बिक्री में उल्लेखनीय कमी देखी गयी है। मार्ग में पड़ने वाले ठहरावों पर मेल/एक्सप्रेस/पैसेंजर और ईएमय/डीईएमयू रेलगाड़ियों में टिकट जाँच कर्मचारियों, रेल सुरक्षा बल और अधिकारियों द्वारा घेराबंदी करके और आकस्मिक रूप से गहन जाँच की जा रही है। दिनांक १६.०५.२०१८ से २८.०५.२०१८ तक की अवधि के दौरान चलाए गए अभियान के परिणामस्वरूप कुल ७१६०६ बिना टिकट/अनियमित टिकटों पर यात्रा करने के मामले पकड़ में आए उनसे ३.५२ करोड़ रूपये वसूल किए गए। इसके अंतर्गत बिना टिकट यात्र करने वाले १७७०६ यात्रियों से १.०८ करोड़ रूपये और अनियमित टिकटों पर यात्रा करने वाले ५२६०३ रेलयात्रियों से २.४४ करोड़ रूपये वसूल किए गए। इस अभियान के दौरान कुल २६६२ टिकट जाँच कर्मचारियों और १४० रेल सुरक्षा बल के जवानों को लगाया गया था।

महिलाओं की सुरक्षा हेतु ट्रेनों में लगेंगे पैनिक बटन

सभी जोनल रेलवे में लगेंगे पैनिक बटन

इलाहाबाद। अब ट्रेनों में महिलाओं की यात्रा को और सुरक्षित बनाने के लिए रेलवे अब नया कदम उठाने जा रहा है, जिसमे सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के बोगियों में पैनिक बटन लगाये जायेंगे, जिसको दबाते ही सुरक्षाकर्मी सम्बन्धित कोच में तत्काल पहुंच जायेंगे।इस सम्बन्ध में रेल मंत्रालय से पत्र भी जारी हो चुका है,जिसकी शुरुआत वीआईपी ट्रेनों से होगी। अक्सर अकेली महिलाओं को ट्रेन में सफर के दौरान छेड़खानी का सामना करना पड़ता था, और उन्हें चेन पुलिंग का या महिला हेल्पलाइन का सहारा लेना पड़ता था जिसमें काफी वक्त लग जाता था।

रेलवे के इस पहल से अब बटन दबाते ही ट्रेनों में मौजूद सुरक्षाकर्मी पीड़ित महिला के पास जल्द पहुंच जायेंगे।

अब पीआरएस काउण्टरों से खरीदे गए टिकट पर भी विकल्प का लाभ

रिजर्वेशन फार्म में किये गए बदलाव

नई दिल्ली। यात्रियों की सुविधा के लिए रेल मंत्रालय ने यात्री आरक्षण फार्म को संशोधित किया है। यह सुविधा उन यात्रियों को मिलेगी जो पूरे देश में स्थित पीआरएस काउण्टरों से टिकटे खरीदते हैं। 'विकल्प' योजना केवल आनलाइन खरीदे गए टिकटों पर ही नहीं बल्कि उन टिकटों पर भी उपलब्ध होगी जो आरक्षण खिड़कियों से खरीदे जाते हैं। संशोधित आरक्षण फार्म में यात्रियों को यह 'विकल्प' दिया गया है कि या तो वे विकल्प योजना का लाभ लें या लाभ न लें। यात्री कालम में हां या नहीं के विकल्प में चिन्ह लगाकर अपनी प्राथमिकता दे सकते हैं।

यदि यात्री 'विकल्प' सुविधा का चयन करता है तो उसे १२, २४, ४८ घण्टों के अन्दर प्रस्थान करने वाली अन्य पसंदीदा ट्रेनों का चयन करना होगा। इसके अलावा आरक्षण फार्म में आधार नम्बर देना अब ऐच्छिक कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रतिक्षा सूची के यात्रियों को निश्चित सीट/बर्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'अल्टरनेट ट्रेन एकोमोडेशन स्कीम विकल्प' की शुरूआत १ नवम्बर, २०१५ को उत्तर रेलवे के दिल्ली-लखनऊ तथा दिल्ली-जम्मू रेल खण्डों में की गई थी।

इस योजना का उद्देश्य उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रारम्भ में ६ महीनों तक केवल इंटरनेट से खरीदे गए टिकटों पर यह सुविधा दी गई थी।

बाद में यह योजना भारतीय रेल के सभी मंडलों में विस्तारित की गई। इस योजना के अंतर्गत प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को अन्य ट्रेनों में निश्चित सीट/बर्थ का विकल्प चुनने की सुविधा दी गई है। अब यह विकल्प सुविधा केवल आनलाइन टिकटों पर ही नहीं बल्कि पीआरएस काउण्टरों से खरीदे गए टिकटों पर भी उपलब्ध है।

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके उस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।"

महात्मा गांधी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अब तक ८४८ किलोवाट क्षमता की सोलर प्लांट की स्थापना

बिलासपुर। गैर-परंपरागत श्रोतों से ऊर्जा उपलब्ध कराने एवं ऊर्जा संरक्षण की दिशा में बेहतर योगदान के तहत पूरे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अनेकों जगह सोलर पावर प्लांट के निर्माण किए गये है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अब तक ८४८ किलोवाट क्षमता की सोलर प्लांट की स्थापना की गयी है। वित्तीय वर्ष २०१७-१८ के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में ६८० किलोवाट क्षमता की सोलर प्लांट की स्थापना की गई, जिसमें केन्द्रीय अस्पताल, बहुविभागीय प्रशिक्षण केन्द्र(MDTC), विद्युत लोको प्रशिक्षण केन्द्र, उसलापुर, नया रेलवे भर्ती बोर्ड भवन, रेलवे इंग्लिश मीडियम स्कूल तथा नार्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट जिसमें शामिल है। इसके साथ ही साथ प्राकृतिक ऊर्जा के संसाधनों का भरपुर उपयोग के लिए रेलवे हास्पिटल, रनिंग रुम, ट्रेनिंग स्कूल एवं अनेको लेवल क्रासिंगों में सौर उर्जा पैनल लगाये गए हैं।

वर्तमान वित्तीय वर्ष २०१८-१९ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में ४००० किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसका कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही साथ वैगन रिपेयर वर्कशाप, रायपुर में लगभग १ मेगावाट की क्षमता की सोलर प्लांट लगाने का अनुबंध किया गया है, जिससे वैगन रिपेयर वर्कशाप, रायपुर की कुल ऊर्जा खपत का लगभग आधी खपत सौर ऊर्जा के माध्यम से पूरी की जा सकेगी। वर्तमान वित्तीय वर्ष २०१८-१९ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत तीनों मंडलो बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर के लगभग २१०८८ रेलवे क्वार्टरों तथा लगभग १३६६ कार्यालय भवनो को एलईडी लगाने के लिए चिन्हित किया गया है एवं इस कार्य के अंतर्गत अब तक लगभग १८६ कार्यालय भवनो में एलईडी लगाने का कार्य पूरा भी किया जा चुका है।

ईमानदारी एवं कर्मठता को उप मुख्य टिकट निरीक्षक हुए सम्मानित

इलाहाबाद । मोहन कुमार झा की ईमानदारी एवं कर्मठता से प्रभावित होकर मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने दिनांक ०४.०६.२०१८ को उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। दिनांक ३१.०५.२०१८ को एक महिला यात्री गाड़ी सं० १२००४ शताब्दी एक्सप्रेस में सी-६ कोच के सीट सं० ०५ पर अपने गंतव्य स्टेशन कानपुर में उतर कर, अपने जरूरी कागजात पैन कार्ड, आधार कार्ड, पासपोर्ट और यात्रा टिकट तथा कुछ मूल्यवान वस्तु एवं कैश अपनी सीट पर छोड़कर चली गयी। शताब्दी एक्सप्रेस के उक्त कोच में कार्यरत उप मुख्य टिकट निरीक्षक, मोहन कुमार झा, जो कानपुर से ही गाड़ी में चढ़े थे, उनके संज्ञान में आने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अपनी तत्परता से यात्री से सम्पर्क किया, जिसके बाद लखनऊ से कानपुर वापसी के समय मोहन कुमार झा ने यात्री मिस शालिनी को उनका सामान वापस किया। मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने सभी कर्मचारियों को इसी भावना से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महोदय उपस्थित रहे।

१५ जुलाई से इलाहाबाद सहित १७ निगमों में ट्रिपिंग रहित विधुत आपूर्ति

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन के अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि १५ जुलाई से इलाहाबाद सहित १७ निगमों में ट्रिपिंग रहित विधुत आपूर्ति की जायगी, इसके लिए उन्होंने कार्य की योजना बनाने के निर्देश दिए। शुक्रवार दिनांक १५.०६.२०१८ को कार्पोरेशन की समीक्षा बैठक में अध्यक्ष ने नोएडा समेत १७ निगमों में ट्रिपिंग रहित विधुत आपूर्ति करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त सामान पर जुर्माना वसूलने का फैसला वापस

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने तय भार से अतिरिक्त सामान ले जाने पर जुर्माना लगाने के फैसले के विरोध के बाद यह आदेश वापस ले लिया। रेलवे ने कहा कि ऐसा केवल यात्रियों में जागरूकता लाने के लिए किया गया था। रेलवे ने १ जून से ६ जून तक अभियान चलाकर अतिरिक्त सामान ले जाने पर जुर्माने लगाने का फैसला लिया था। रेलवे ने बिना बुकिंग निर्धारित भार से ज्यादा सामान ले जाने पर छह गुना जुर्माना वसूलने की बात कही थी। रेल मंत्रालय के प्रवक्ता राजेश बाजपेयी के अनुसार यह अभियान केवल यह बताने के लिए चलाया जा रहा था कि ज्यादा सामान ले जाने से दूसरे यात्रियों को परेशानी होती है।

Organising of Annual Summer Coaching Camps for children by Railway Sports promotion Board

New Delhi: Railway Sports Promotion Board (RSPB) organized the 4th edition of the Annual Summer Coaching Camps for children in Swimming, Badminton, Basket-ball, Table Tennis, Cricket and Golf at different venues in New Delhi during the vacations. Around 300 children participated in the month long Camp. Sh. D.K. Gayen, President / RSPB and Member Staff presided over the closing of camps at Karnail Singh Stadium, New Delhi on 16th June, 2018 in the Presence of Shri Manoj Pande Vice-President/RSPB, Ms. Rekha Yadav, Secretary/RSPB and Shailesh Mishra, Genl. Secy./ NRSA. Speaking on the occasion Gayen encouraged the kids for participation in the games along with their studies. He was happy to note that children had been weaned off the technical gadgets in favour of the playground. All the dignitaries met the Indian Railways handball team which is presently under camp at Karnail Singh Stadium. They also met with the Indian Railways Football team going to participate in the USIC (World Railways) Football Qualifying Rounds (Group A) to be held at Lalandia, Rodby (Denmark) from 20th to 24th June, 2018 and wished them the best.

'डेक्कन क्वीन' रेल सेवा के ८८ वर्ष हुए संपन्न

महाराष्ट्र के दो प्रमुख शहरों के बीच भारतीय रेल की अग्रणी 'डेक्कन क्वीन' रेल सेवा ०१ जून, १९३० को शुरू हुई थी, जो ग्रेट इंडियन पेनिनसूला (जीआईपी) रेलवे की प्रमुख ऐतिहासिक उपलब्धि थी। इस क्षेत्र के दो महत्वपूर्ण शहरों में सेवा प्रदान करने के लिए यह पहली डीलक्स रेलगाड़ी शुरू की गई थी और 'दक्खन की रानी' के तौर पर प्रसिद्ध पुणे शहर के नाम पर इसका नाम रखा गया था।

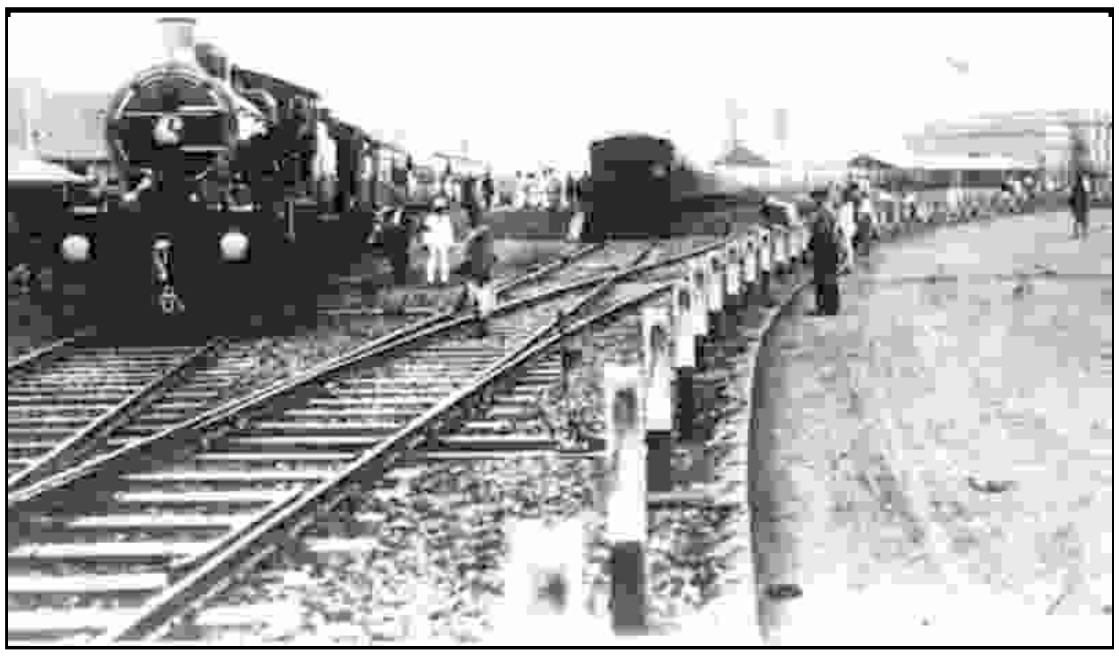

शुरू में रेलगाड़ी में ७ डिब्बों के दो रैक थे। प्रत्येक को लाल रंग के सजावटी सांचों में सिल्वर रंग और अन्य पर नीले रंग के सांचों में सुनहरे रंग की रेखा उकेरी गई थी। डिब्बों के मूल रैक की नीचे की फ्रेम का निर्माण इंग्लैंड में, जबकि डिब्बों का ढांचा जीआईपी रेलवे के माटुंगा कारखाने में निर्मित किया गया था। शुरूआत में 'डेक्कन क्वीन' में केवल प्रथम और द्वितीय श्रेणी थी। प्रथम श्रेणी को ०१ जनवरी, १९४९ को बंद कर दिया गया और द्वितीय श्रेणी की डिजाइन दोबारा तैयार कर इसे प्रथम श्रेणी में परिवर्तित किया गया।

इसके बाद जून १९५५ में इस रेल गाड़ी में पहली बार त तीय श्रेणी उपलब्ध करायी गई। इसे अप्रैल, १९७४ से द्वितीय श्रेणी के तौर पर दोबारा डिजाइन किया गया था। १९६६ में मूल रैकों के डिब्बों के स्थान पर इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, पैरांबुर द्वारा निर्मित टेलीस्कोप रोधी स्टील के ढांचे वाले डिब्बे लगाए गए। इन डिब्बों में अधिक आराम के लिए इसकी डिजाइन और आंतरिक साज-सज्जा में सुधार किए गए। रैक में डिब्बों की संख्या भी ७ से बढ़ाकर १२ कर दी गई।

वर्तमान में इसमें अब १७ डिब्बे हैं। इसकी शुरूआत से यात्रियों को उच्च स्तर का आराम प्रदान करने के अलावा रेलगाड़ी में कई सुधार किये गए। इनमें देश में पहली बार रोलर बियरिंग के डिब्बों की शुरूआत, विद्युत पैदा करने वाले डिब्बों के स्थान पर ११० वोल्ट प्रणाली के विद्युत उत्पादित करने वाले डिब्बे लगाना, यात्रियों के लिये अधिक स्थान उपलब्ध कराने हेतु पहली और द्वितीय श्रेणी की चेयर कार की शुरूआत शामिल है। हाल ही में इस रेलगाड़ी की रंग योजना में क्रीम और नीले रंग का इस्तेमाल कर इसके ऊपर लाल रंग की पट्टी बनाई गई है।

बेहतर सुविधाओं, आराम के स्तर में सुधार और बेहतर गुणवत्ता की सेवा प्राप्त करने की यात्रियों की अपेक्षाओं के चलते डेक्कन क्वीन में संपूर्ण परिवर्तन करना आवश्यक समझा गया। १९९५ में परिवर्तित रैक की विशेषताएं निम्नलिखित हैं। सभी नवनिर्मित या एक वर्ष पुराने एयर ब्रेक डिब्बे। यात्रियों को धूल मुक्त वातावरण में अतिरिक्त ६५ सीट उपलब्ध कराने के लिए पुराने रैक में पांच प्रथम श्रेणी की चेयर कार के स्थान पर पांच एसी चेयर कार लगाई गई।

पुराने डिब्बों की तुलना में १२० अतिरिक्त बैठने की क्षमता वाले ६ द्वितीय श्रेणी की चेयर कारें भी उपलब्ध करायी गई। इस प्रकार पुराने रैक में १२३२ सीटों की तुलना में नए रैक में कुल १४१७ सीटें है, अर्थात १५ प्रतिशत की बढ़ोतरी।

डायनिंग कार के जरिये ३२ यात्रियों को टेबल सेवा प्रदान की जाती है और इसमें माइक्रोवेव ओवन, फ्रीजर और टोस्टर जैसी आधुनिक पेंट्री सुविधाएं है।

डायनिंग कार कुशन वाली कुर्सियों और गलीचे के साथ सुरूचिपूर्ण तरीके से सुसज्जित है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति रेलवे बोर्ड की बैठक संपन्न

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की १३० वीं बैठक बड़ौदा हाउस, उत्तर रेलवे स्थित महाप्रबंधक सम्मेलन कक्ष में सदस्य कार्मिक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में सदस्य चल स्टाक, सदस्य इंजीनियरी, महानिदेशक (कार्मिक), सचिव रेलवे बोर्ड, रेल उपक्रमों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के संबंध में धारा ३(३) के अंतर्गत आने वाले सभी प्रलेखों को द्विभाषी रूप में जारी करना और निविदाएं, प्रैस रिलीज, भर्ती सूचनाएं, कार्यक्रमों के बोर्ड, बैनर आदि अनिवार्य रूप से द्विभाषी रूप में जारी करना जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

इससे पूर्व, निदेशक राजभाषा के. पी. सत्यानंदन ने पिछली बैठक के कार्यवृत्त पर की गई कार्यवाही का विवरण समिति के समक्ष रखा। बैठक के अध्यक्ष, देबल कुमार गायेन, सदस्य कार्मिक, रेलवे बोर्ड ने"राजभाषा"के २१वें अंक और "रेल राजभाषा पत्रिका" के १२३ वें अंक का विमोचन किया। इसके पश्चात् रेलवे बोर्ड के सदस्य चल स्टाक रवीन्द्र गुप्ता ने "रेल राजभाषा ऐप" का लोकार्पण किया। इस ऐप को गूगल के प्ले स्टोर्स से डाउनलोड किया जा सकता है और इस राजभाषा ऐप में विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं तथा राजभाषा नीति/नियमों की जानकारी के अलावा, रेल कार्यालयों में आमतौर पर प्रयोग किए जाने वाले वाक्य, पदनाम एवं रेलवे से संबंधित तकनीकी शब्दों का संकलन किया गया है। यह ऐप रेल कर्मियों के लिए बहुत उपयोगी होगी। सदस्य कार्मिक ने बैठक में कहा कि सभी अधिकारी हिंदी में नोटिंग करें, जिससे आपके अधीनस्थ अधिकारी/कर्मचारियों को हिंदी में काम करने की प्रेरणा मिलेगी और इससे रेल मंत्रालय में राजभाषा हिंदी का प्रयोग-प्रसार निरंतर बढ़ेगा। बैठक में महानिदेशक, कार्मिक आनंद कुमार माथुर ने रेल राजभाषा ऐप के संबंध में सर्च बटन उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। अंत में कार्यपालक निदेशक एस.पी. माही के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

८५ प्रतिशत से अधिक हुआ स्वच्छ भारत के अंतर्गत ग्रामीण स्वच्छता कवरेज

नई दिल्ली। विश्व के सबसे बड़े व्यवहार परिवर्तन कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत भारत का ग्रामीण स्वच्छता कवरेज बढ़कर ८५ प्रतिशत हो गया है। ग्रामीण समुदायों को सक्रिय बनाने के कारण ग्रामीण भारत में ७.४ करोड़ शौचालय बनाए गए जिसके परिणामस्वरूप ३.८ लाख से अधिक गांव और ३६१ जिले खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित किए गए हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत मिशन लांच किए जाने के समय से कवरेज बढ़कर दोगुना से अधिक हो गया है। एक स्वतंत्र सत्यापन एजेंसी द्वारा हाल में ६००० से अधिक गांवों में ६० हजार परिवारों में कराए गए शौचालयों का उपयोग ६३.४ प्रतिशत पाया गया। भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा २०१७ में तथा राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा २०१७ में कराए गए सर्वेक्षणों में शौचालयों का उपयोग क्रमशः ६१ प्रतिशत और ६५ प्रतिशत पाया गया। यह सफलता स्वच्छ भारत मिशन द्वारा स्वच्छता के लिए अलग दृष्टिकोण अपनाने के कारण मिली है।

इलाहाबाद से शुरू हुई नागपुर-इंदौर फलाइट सेवा

इलाहाबाद। शनिवार दिनांक १६.०६.२०१८ से इलाहाबाद-नागपुर-इंदौर विमान सेवा शुरू हो गयी। छोटे शहरों से विमान शुरू करने की केंद्र सरकार की योजना 'उड़ान' तेजी से दौड़ रही है, अभी हाल ही में इलाहाबाद-लखनऊ विमान सेवा शुरू हो चुकी है। इलाहाबाद से प्रत्येक सोमवार,बुधवार,और शनिवार को नागपुर-इंदौर एवँ प्रत्येक मंगलवार,गुरूवार एवँ रविवार को लखनऊ-पटना के लिए हवा सेवा किया सकता है।

ECoR OBSERVED ANTI-TERRORISM DAY

Bhubaneswar: East Coast Railway (ECoR) observed "Anti Terrorism Day" at headquarters, Rail Sadan, Chandrasekharpur,Bhubaneswar and all Divisional headquarters at Khurda Road, Sambalpur and Visakhapatnam by taking pledge for non-violence & tolerance. GM, East Coast Railway administered the oath on the occasion of Anti-terrorism Day to all Railway officials to oppose terrorism, violence and to promote peace and social harmony to fight against the forces disrupting and threatening human lives and values. Shri Prabhat, Chief Personnel Officer/Admn of ECoR conducted the oath taking ceremony.

Seminar for educating staff

Hubballi: A full day "Seminar"on Railway Discipline and Appeal Rules was organised by the Personnel deptt.of SW Railway, Rail Soudha at Hubballi on 22nd May, 2018. The Seminar was inaugurated by A.K. Gupta, GM, South Western Railway. During the seminar, experienced and expert speakers spoke on various topics related to Disciplinary and appeal rules the subject with focus on common mistakes case studies and remedial measures,alongwith checklists to be followed. It also highlighted the subtle nuances of dealing of such cases. To provide impetus to the drive of process improvement in internal working&

Project "Saksham" a booklet on "Process improvement in office procedures" was also released by the GM aimed at streamlining of office procedures to improve delivery and also to promote accountability, responsibility and individual efficiency. The seminar was graced by B.B. Singh AGM, South Western Railway, the Principal Heads of various Departments, Officers and attended bynearly 200 staff units of Bengaluru, Mysuru and Hubballi Divisions. The seminar was organised by Shri Shanker Kumar Albela, IRPS, the Principal Chief Personnel Officer, SWR. In the evening, 63rdRailway Week Awards function at the level of PCPO of South Western Railway was held at Rail Soudha/ Hubballi. Shanker Kumar Albela, IRPS, the Principal Chief Personnel Officer, SWR the Chief Guest of the function. He highlighted the delivery improvements brought in the Personnel department recently and mentioned the focus areas for the next financial year related to computerization, Grievance redressal and training improvements. He also distributed awards to 3 officers and 47 staff from Bengaluru, Mysuru and Hubballi units of SWR. In appreciation of their outstanding performance during 2016-17. The function was attended by all HR heads of various Divisions and Workshops and concluded with vote of thanks by Arun Ravichettu, SPO/IT & Planning.

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय इलाहाबाद में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

इलाहाबाद। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय सभा कक्ष में दिनांक २३.०५. २०१८ को रेल कर्मचारियों के बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने हेतु रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में स्वच्छता चुनौतियां एवं निराकरण विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ अपर मंडल रेल प्रबंधक एनामुल हक ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन करके किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने घरों, सार्वजनिक स्थलों विशेष तौर पर ट्रेनों एवं स्टेशनों पर स्वच्छता बनाये रखना अति आवश्यक है, यदि हम ट्रेनों एवं स्टेशनों की सफाई नहीं रखेंगे तो गंदगी और बीमारी के कीटाणु तेजी से फैलेंगे और खाद्य पदार्थों के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर नुकसान पहुंचाएंगे बच्चे हमारा भविष्य हैं और उन्हें स्वच्छता के प्रति सचेत एवं जागरूक करना अति आवश्यक है। यही इस प्रतियोगिता का उद्देश्य है। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़ी संख्या में बढ़ चढ़ कर भाग लिया प्रतियोगिता का समापन संबोधन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक रंजन द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी केशव त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

२ अक्टूबर, २०१८ तक उत्तर प्रदेश को खुले में शौच से मुक्त करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के द्वारा सभी जिलाधिकारियों के साथ स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एसबीएम-जी) की प्रगति की समीक्षा की। इसमें केंद्रीय पेयजल और स्वच्छता सचिव,उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और राज्य के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय स्तर पर २ अक्टूबर २०१६ की अवधि से पहले २ अक्टूबर,२०१८ तक राज्य में खुले से शौच से मुक्त होने का लक्ष्य प्राप्त करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इसे केवल एक सरकारी कार्यक्रम के स्थान पर जन आंदोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में समाज के सभी वर्गो को सम्मिलित करने वाले जिलो ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने सभी जिला-धिकारियो से इसकी जिम्मेदारी लेने का आव्हान करते हुए उनसे समाज के सभी वर्गो को इसमे सम्मिलित करने और कार्यक्रम की प्रगति की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करने के लिए कम से कम एक घंटा प्रतिदिन देने के लिए कहा। योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियो से सोशल मीडिया का लाभ उठाकर जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की बेहतर निगरानी करने को कहा। इसके साथ ही कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने और स्वच्छाग्रही और राजमिस्त्री को मानदेय समय पर भुगतान करने के लिए कहा। उन्होंने कहा उत्तरप्रदेश ने गत छह माह में महत्वपूर्ण प्रगति की है और राज्य के २८ हजार से अधिक गांवो को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता कार्य वर्ष २०१४ में ३६ प्रतिशत से बढ़कर लगभग ८५ प्रतिशत हो गया है और ३.७५ लाख गांव, ३८६ जिले,१३ राज्य और ४ संघशासित प्रदेशों को पहले ही खुले में शौच से मुक्त घोषित कर दिया गया है।

पाठक ध्यान दें

उक्त पत्रिका अपनी प्रकाशित पत्रिका रेल समाचार ब्यूरों आप सभी ग्राहको/सदस्यों एवं विशिष्टि व्यक्तियों को नियमित भेजी जा रही है। कभी-कभी विद्युत आपूर्ति एवं प्रेस कर्मीयों के क्षणीक आभाव के कारण विलम्ब से पावती के लिये खेद वक्त करता है।

हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके उस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।"

महात्मा गांधी

हमारा लक्ष्य संरक्षा सुरक्षा एवं समयपालन

विश्व दिव्यांग दिवस पर राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

लखनऊ। आगामी ०३ दिसम्बर २०१८ को विश्व दिव्यांग दिवस पर दिए जाने वाले राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संबंधित व्यक्तियों /संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभिन्न श्रेणियों में दिए जाने वाले पुरस्कारों की धनराशि २५ हजार रुपये है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग से इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन विभिन्न श्रेणियों में ये पुरस्कार दिए जाएंगे उनमें दक्ष दिव्यांग कर्मचारी, स्वनि-योजित दिव्यांगजन, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेन्सी, सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, सर्वश्रेष्ठ संस्था, प्रेरणास्रोत सृजनशील दिव्यांग बालक, बालिका, दिव्यांग खिलाड़ी, दिव्यांजन हेतु बाधारहित वातावरण के स जन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य, दिव्यांगजनों के लिए पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाला सर्वश्रेष्ठ जिला आदि शामिल हैं।राज्य स्तरीय पुरस्कार के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट www.uphwd.gov.in अथवा हेल्प लाइन नं० १८०० १८० १६६५ से प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक व्यक्ति राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन समस्त प्रपत्रों के साथ जनपद स्तर पर १५ जुलाई, २०१८ तक जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

हिन्दी भाषा रेल की भाषा
हिन्दी भाषा देश की भाषा

कुम्भ-२०१६ पर विशेष

कुम्भ मेला भारत में आयोजित किया जाने वाला सबसे बड़ा मेला है। यह एक सामूहिक हिंदू तीर्थ है, यहाँ पर हिन्दू बड़ी संख्या में इकट्ठा होते है और एक पवित्र नदी में स्नान किया जाता है। यह मेला चार अलग-अलग स्थानों पर लगता है, न केवल भारत के हिन्दू बल्कि यहाँ आने वाले विदेशी पर्यटक भी इस तीर्थस्थान के मेले में इस समय शामिल होते है। संतों और साधु जो की भगवा वस्त्र पहनते है, सभी कुंभ मेले में देखने को मिलते है। यह मेला चार विभिन्न स्थानों पर मनाया जाता है नासिक में गोदावरी नदी के किनारे, हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे, उज्जैन में क्षिप्रा (शिप्रा) नदी के किनारे, और इलाहाबाद में गंगा नदी, यमुना नदी और सरस्वती नदी का जहाँ तीनों संगम होता है। (पहले प्रयाग के नाम से जाना जाता था)। कुम्भ मेले के १२ वर्ष में एक बार आयोजित होने के पीछे दो मान्यताएं है। पहली ज्योतिष, दूसरी पौराणिक। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार भचक्र में स्थित ३६० अंश को १२ भागों में बांटकर १२ राशियों की कल्पना की गई है। भचक्र से तात्पर्य आकाश मंडल से है। हर कुंभ के निर्धारित मुहूर्त में गुरु

और सूर्य विशेष महत्वपूर्ण होते हैं। गुरु एक राशि पर लगभग १३ महीने तक रहता है और फिर उसी राशि पर आने में १२ वर्ष का समय लगता है। यही कारण है कि कुंभ पर्व १२ वर्ष में एक बार होता है। हरिद्वार, प्रयाग व नासिक में हर १२ वें साल में कुंभ की परंपरा है। उज्जैन में कुंभ को सिंहस्थ कहा जाता है क्योंकि इस समय गुरु सिंह राशि में होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार एक बार इन्द्र देवता ने महर्षि दुर्वासा को रास्ते में मिलने पर जब प्रणाम किया तो दुर्वासाजी ने प्रसन्न होकर उन्हें अपनी माला दी, लेकिन इन्द्र ने उस माला का आदर न कर अपने ऐरावत हाथी के मस्तक पर डाल दिया। जिसने माला को सूंड से घसीटकर पैरों से कुचल डाला। इस पर दुर्वासाजी ने क्रोधित होकर इन्द्र को श्रीविहीन होने का शाप दिया। इस घटना के बाद इन्द्र घबराए हुए ब्रह्माजी के पास गए। ब्रह्माजी ने इन्द्र को लेकर भगवान विष्णु के पास गए और उनसे इन्द्र की रक्षा करने की प्रार्थना की। भगवान ने कहा कि इस समय असुरों का आतंक है। इसलिए तुम उनसे संधि कर लो और देवता और असुर दोनों मिलकर समुद्र मंथन कर अमृत निकालों। जब अम त निकलेगा तो हम तुम लोगों को अमृत बांट देंगे और असुरों को केवल श्रम ही हाथ मिलेगा। पृथ्वी के उत्तर भाग मे हिमालय के समीप देवता और दानवों ने समुद्र का मन्थन किया। इसके लिए मंदराचल पर्वत को मथानी और नागराज वासुकि को रस्सी बनाया गया। जिसके फलस्वरूप क्षीरसागर से पारिजात, ऐरावत हाथी, घोड़ा, रम्भा, कल्पब क्ष, शंख, गदा धनुष कौस्तुभमणि, चन्द्र मद कामधेनु और अम त कलश लिए धन्वन्तरि निकलें। इस कलश के लिए असुरों और दैत्यों में संघर्ष शुरू हो गया। अमृत कलश को दैत्यों से बचाने के लिए देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ब हस्पति, चन्द्रमा, सूर्य और शनि की सहायता से उसे लेकर भागे। यह देखकर दैत्यों ने उनका पीछा किया। यह पीछा बारह दिनों तक होता रहा। देवता उस कलश को छिपाने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान को भागते रहे और असुर उनका पीछा करते रहे।इस भागदौड़ में देवताओं को पूरी पृथ्वी की परिक्रमा करनी पड़ी। इन बारह दिनों की भागदौड़ में देवताओं ने अमृत कलश को हरिद्वार, प्रयाग, नासिक तथा उज्जैन नामक स्थानों पर रखा। इन चारों स्थानों में रखे गए कलश से अम त की कुछ बूंदे छलक पड़ी। अंत में कलह को शांत करने के लिए समझौता हुआ। भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर दैत्यों को भरमाए रखा और अमृत को इस प्रकार बांटा कि दैत्यों की बारी आने तक कलश रिक्त हो गया। देवताओं का एक दिन मनुष्य के एक वर्ष के बराबर माना गया है। इसलिए हर १२ वें वर्ष कुंभ की परंपरा है।

MOSR FLAGS OFF SANTRAGACHI-CHENNAI CENTRAL WEEKLY ANTYODAYA EXPRESS

Kolkata: Sri Rajen Gohain, Hon'ble Minister of State of Railways flagged off Santragachi-Chennai Central Weekly Antyodaya Express at an impressive function held at Howrah Station, New Complex on 4th June, 2018. Sri Prasun Banerjee, Hon'ble Member of Parliament graced the occasion as Guest of Honour. Sri S N Agrawal, General Manager, South Eastern Railway, Sri H Rao, General Manager, Eastern Railway, Sri A Vijayvargiya, General Manager, Metro Railway, Sri A Datta, Additional General Manager, South Eastern Railway, Sri S K Das, Additional General Manager, Eastern Railway and other distinguished guests attended the programme. Hon'ble MOSR Sri Rajen Gohain while flagging off the train said that this fully unreserved superfast train service would not only fulfill the demand of the common people of West Bengal but also the common people of Odisha, Andhra Pradesh and Tamil Nadu.Sri Gohain also stated that this train is equipped with modern facilities and mentioned about the special amenities provided in the train viz. LED lights, mobile charging points, Bio-toilets, Cushioned Luggage Racks, potable water dispenser etc.Sri Gohain also mentioned about the LHB coaches provided in the train to ensure the safety of the passengers. Sri Gohain also mentioned about the recent achievements of Indian Railways in construction of new lines, doubling works, road over bridges, elimination of un-manned level crossings etc. All un-manned level crossings across Indian Railway would be eliminated in a phased manned, he added. He also mentioned about the progress of work of Dedicated Freight Corridor and steps taken to increase the average speed of trains throughout the country. In this context, Hon'ble MOSR mentioned about the meeting of all Zonal Railway's General Managers and Principal Chief Operations Managers who would look after the acceleration of normal mail/ express trains. Sri Gohain also added that all stations of Indian Railways have been visibly cleaned which were not in earlier time. 22841 Santragachi -Chennai Central Weekly Antyodaya Express will leave Santragachi every Monday at 19:00 hours and will reach Chennai Central at 22:45 hours, the next day. on the return trip, 22842 Chennai Central–Santragachi Weekly Antyodaya Express will leave Chennai Central at 08:10 hours every Wednesday arriving Santragachi, the next day at 10:25 hours. This train will cover a distance of 1655 kilometers within 27 hours each way. Earlier, Sri A Datta, AGM, South Eastern Railway welcomed the Hon'ble MOSR, Hon'ble MP and other distinguished guests. Sri K R K Reddy, Divisional Railway Manager, Kharagpur conveyed vote of thanks.

डा. इन्दर जीत सिंह कोयला मंत्रालय के नए सचिव

नई दिल्ली । डा. इन्दर जीत सिंह (केएल : १९८५) ने नई दिल्ली स्थित शास्त्री भवन कार्यालय में कोयला मंत्रालय के सचिव का पदभार संभाला लिया। इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस वर्ष ३० अप्रैल को सुशील कुमार के सेवानिवृत्त होने के पश्चात यह पद रिक्त था। इस दौरान खान सचिव अनिल जी मुखिम को कोयला सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। कोयला सचिव के पद पर नियुक्ति से पूर्व डा.इन्दर जीत सिंह कैबिनेट सचिवालय में सचिव (समन्वय) के पद पर कार्यरत थे।

डा. सिंह ने पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है। पूर्व में उन्होंने वाणिज्य मंत्रालय, नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा राज्य सरकार के विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

प्रधान कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

सिकंदराबाद। दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान कार्यालय के विद्युत एवं सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर विभाग के कर्मचारियों के लिए विद्युत सभागृह में दिनांक २६.०५.२०१८ को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर अ.आ. फड़के ने प्रतिभागियों से कहा कि हिंदी में कार्यालयीन कामकाज करते समय कर्मचारियों को हो रही कठिनाईयों तथा उनकी झिझक को दूर करने के लिए हिंदी कार्यशाला बहुत उपयोगी साबित होते हैं। अगर कर्मचारी प्रारंभिक टिप्पणी हिंदी में शुरू करते हैं तो यह सिलसिला ऊपर के अधिकारियों तक चलता है। अतः हर कर्मचारी अपनी टिप्पणी हिंदी में ही प्रस्तुत करें। उन्होंने कार्यशाला के अनुदेशकों को यह निर्देश दिया है कि इस प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को कंप्यूटर एवं मोबाइल पर हिंदी के प्रयोग विशेषकर वाइस टाईपिंग की भी जानकारी दें। इस कार्यशाला में उप.महाप्रबंधक(राजभाषा) डा. श्याम सुंदर साहु, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर पी.बी.एस. राठोड़ एवं उप मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर, दीनदयाल ने कर्मचारियों को संबोधित करने के साथ-साथ राजभाषा नीति, प्रोत्साहन योजना, मोबाइल एवं कंप्यूटर पर हिंदी के प्रयोग की जानकारी दी तथा नेमी प्रकार की टिप्पणी एवं मसौदा लेखन का अभ्यास करवाया। प्रतिभागियों ने यह आश्वासन दिया कि वे हिंदी में कार्य करेंगे।

किसी भी प्रकार का ज्वलनशील एवं विस्फोटक पदार्थ लेकर रेल यात्रा ना करें।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय सभाकक्ष 'संकल्प' में पेंशन अदालत का आयोजन

इलाहाबाद।मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय सभाकक्ष "संकल्प" में दिनांक १५.०६.२०१८ को पेंशन अदालत का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता अपर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग कुमार गुप्ता ने किया। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, अभिषेक रंजन ने पेंशन अदालत में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए पेंशन अदालत के बारे में विस्तार से बताया, तत्पश्चात ए.डी.आर.एम अनुराग कुमार गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए पेंशन से संबंधित सभी मामलो का त्वरित निस्तारण करने पर जोर दिया और कहा कि 'निराकरण ऐप' के माध्यम से भी आप सभी अपनी समस्याओं का निराकरण करवा सकते हैं। पेंशन अदालत में पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष किशन सिंह अन्य पेंशनर्स तथा शिकायतों के त्वरित निस्तारण एवं निराकरण हेतु भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इलाहाबाद बैंक तथा बैंक आफ इंडिया के मैनेजर भी उपस्थित रहे। वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक अरुण सिंह ने कहा कि संशोधित पी पी ओ को पेंशनरों के पास भेजने के उचित प्रबंध किए गए हैं और शीघ्रता से कार्य किया जा रहा है। उपस्थित बैंक मेनेजरो ने कहा कि पेंशनर अपनी शिकायत आनलाइन भी दर्ज करवा सकते हैं उसका शीघ्र निस्तारण किया जाएगा। पेंशन अदालत में कुल ३२ प्रकरण प्राप्त हुए हैं जिसमें सभी का निस्तारण कर दिया गया। पेंशन अदालत के दौरान ११ पेंशनर उपस्थित हुए उन्हें पत्र के माध्यम से पेंशन संशोधन सम्बंधित जानकारी मौके पर ही उपलब्ध करा दी गई। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक रंजन, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक अरूण सिंह,सहायक कार्मिक अधिकारी मनीष कुमार खरे, जे एस त्रिपाठी, लव कुश, कर्मचारी एवं हित निरीक्षकगण तथा समापन अनुभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मानस शुक्ल ने किया।

१०० मेगावाट की तीन सौर ऊर्जा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, कोयला, वित्त एवं कंपनी मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने वाणिज्यिक उत्पादन के लिए नेवेली लिग्नाइट कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड (एनएल-सीआईएल) की १०० मेगावाट की तीन सौर ऊर्जा परियोजनाओं का उद्घाटन किया और इसके साथ ही ये परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की।

प्रत्येक १०० मेगावाट की स्थापित क्षमता वाली ये सौर ऊर्जा परियोजनाएं विरुधुनगर जिले के थोप्पालक्करा एवं सेथुपुरम और तिरुनेलवेली जिले के सेलाया सेझियानेल्लूर में अवस्थित हैं। ये सौर ऊर्जा परियोजनाएं १३०० करोड़ रुपये की लागत से स्थापित की गई हैं जिसमें १५ वर्षों के लिए परिचालन एवं रख-रखाव लागत भी शामिल है।

इन इकाइयों से उत्पादित होने वाली बिजली प्रति यूनिट ४.४१ रुपये की दर से तमिलनाडु विद्युत उत्पादन एवं वितरण कंपनी को दी जाएगी।

पीयूष गोयल ने अपने उद्घाटन भाषण में एक नए विजन के साथ संगठन के विकास के लिए अथक प्रयास करने हेतु एनएलसीआईएल के प्रबंधन, कर्मचारियों और श्रमिक संगठनों की सरहाना की।

हिन्दी भाषा रेल की भाषा
हिन्दी भाषा देश की भाषा

सम्पादकीय

सरकारी बंगले का मोह

सूबे में आजकल गजब की राजनीति हो रही है, पूर्व मुख्यमंत्री के बंगले की सियासत इन दिनों हर अखबार की सुर्खियाँ बनी हुई हैं। यहाँ पर समझने वाली बात यह है कि भला इस सुख़ियों से आम जनता को क्या मिलेगा।

जहां एक ओर पूर्व मुख्यमंत्री पर सरकारी बंगाले को नुकसान पहुचाने का आरोप लगा,वहीं दूसरी ओर मिडियाबाजी भी चरम पर पहुंच गयी।

आये दिन उत्तर प्रदेश के मंत्री का बयान फिर सरकार का बयान बरबार चल रहा है, अब जरा सोंचिये की आम जनता को इस खबर से क्या लाभ मिलेगा। क्या इसका उदेश्य मीडिया में बने रहना है अगर इसका यही प्रयोजन है तो जरा सोंचिये की सूबे की राजनीति किस करवट जा रही है।

अरे जनाब अगर सरकारी बंगले को नुकसान पहुंचाया गया है तो उसे नोटिस जारी कीजिये, जुर्माना लीजिये, इसमें मीडियाबाजी से क्या मतलब।

जहां एक ओर पूर्व मुख्यमंत्री पर सरकारी बंगाले को नुकसान पहुचाने का आरोप लगा,वहीं दूसरी ओर मिडियाबाजी भी चरम पर पहुंच गयी, वाह जनाब।

पाठक ध्यान दें

उक्त पत्रिका अपनी प्रकाशित पत्रिका रेल समाचार ब्यूरों आप सभी ग्राहको/सदस्यों एवं विशिष्टि व्यक्तियों को नियमित भेजी जा रही है। कभी-कभी विद्युत आपूर्ति एवं प्रेस कर्मीयों के क्षणीक आभाव के कारण विलम्ब से पावती के लिये खेद वक्त करता है।

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक:
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

मुद्रक- एस.एस. प्रिन्टर्स, बाघम्बरी अल्लापुर, इलाहाबाद। से मुद्रित एवं कैम्प केन्द्रीय कार्यालय ५०२, पंचशिला त्रिवेणी रोड, इलाहाबाद। (वितरण केन्द्र) केन्द्रीय कैम्प कार्यालय ८४/३६ आर्य नगर पहाड़गंज नई दिल्ली-५६ फोन नं. -०५३२-२४१८०४० फैक्स नं- ०५३२-२५५८८४७ आर.एन.आई नं. ५१०६७-६०-पोस्ट ए.डी-८ कम्पूटीरक त प्रेस इ. ब्लाक वर्क्स जीरो रोड, इलाहाबाद

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र इलाहाबाद होगा

अगले अंक में

१. उत्तर रेलवे ने चलाया टिकट जाँच अभियान
२. नहीं रुक रही है स्टेशनों पर अवैध वेंडिंग।
३. वित्तीय वर्ष २०१७-१८ में टिकट चेकिंग आय में हुई अभूतपूर्व व द्धि।
४. रेल मन्त्रालय द्वारा जारी पत्रों की सुनवाई।
५. रेल विभागीय द्वारा जारी पत्रों पर सुनवाई।
६. महाप्रबंधक द्वारा अत्याधुनिक रेल प्रगति पर अपने विचार।
७. रेल मजदूर यूनियन का आपसी तालमेल।
८. पिछड़ी जातियों को रेल में कितना दखल।
९. रेल राजपत्रित अधिकारियों के कानूनी प्रकार।

सभी डी.आर.यू.सी.सी.सदस्यों को नामित होने पर हार्दिक बधाई

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है,क पया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की क पा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044

रेल कर्मी-मैरिज ब्यूरो

सभी रेल कर्मियों के सुविधा हेतु मैरिज ब्यूरो सम्बन्धी एक बाक्स प्रकाशित किया जा रहा है। जिसमें रेल कर्मी मात्र एक सौ रूपये भेज कर वर-बधु का परिचय पत्र तीन बार प्रकाशित करा सकते हैं।

ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव - प्रधान संपादक रेल समाचार ब्यूरो
प्रधान सम्पादक:- रेल समाचार ब्यूरो
Phone : (0532) 2418040 Fax : (0532) 2558847
Mobile : 9793956044, 8826765066

संरक्षा नियमों का उल्लंघन दुर्घटना का आमंत्रण है।

Railway Passengers Safety & Amenities Association

Aim of the Society is to serve the Railway Passengers

Camp Office: House No. 8439, Arya Nagar
Paharganj, New Delhi-55
(U.P.)
(M) 9793956044,8826765066
E-mail:railsamacharbureau@rediffmail.com
Vice Chairman
Gyanendra Kumar Srivastava

Regd. Office : 502, Punchsilla,
Triveni Road, Kydganj Allahabad.

Ph. : 2418040 Fax : 0532-2558847
(M) 9793956044, 8826765066
Office Sect. :
S. Katar, Jawahar

उक्त संगठन में आप भी सदस्य होकर रेल यात्रियों की सेवा कर सकते हैं। शीघ्र मिले या पत्र व्यवहार करें।